भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4163
बुधवार, 26 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

एनएसआईएल द्वारा किए गए प्रक्षेपण

4163. श्री बैजयंत पांडा:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2019 में न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) की स्थापना के बाद से अब तक इसने कुल कितना राजस्व सृजित किया है;

(ख) एनएसआईएल द्वारा आज की तारीख तक कुल कितने अंतरराष्ट्रीय और भारतीय उपभोक्ताओं के उपग्रहों का सफलापूर्वक प्रक्षेपण किया गया है;

(ग) क्या एनएसआईएल ने प्रक्षेपण यान विनिर्माण के स्वदेशीकरण हेतु कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या एनएसआईएल की सरकारी-निजी भागीदारी के माध्यम से अपने वाणिज्यिक अंतरिक्ष व्यवसाय का विस्तार करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :
****

(क) मार्च 2019 में अंतरिक्ष विभाग के तहत स्थापित भारत सरकार की कंपनी न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) द्वारा सृजित कुल राजस्व निम्नानुसार है :

विवरण	**वि.व. 2019-20 (करोड़)**	**वि.व. 2020-21 (करोड़)**	**वि.व. 2021-22 (करोड़)**	**वि.व. 2022-23 (करोड़)**	**वि.व. 2023-24 (करोड़)**	**वि.व. 2024-25 (अनुमानित) (करोड़)**
प्रचालन से राजस्व	314.52	513.31	1674.77	2842.26	2116.12	3026.09
अन्य आय	7.25	12.40	57.07	98.16	279.08	220.00
कुल राजस्व	321.77	525.71	1731.84	2940.42	2395.20	3246.09
कुल व्यय	253.20	312.87	1272.69	2324.07	1591.60	2003.97
कर पूर्व लाभ	68.57	212.84	459.15	616.35	803.59	1242.12

(ख) आज की तारीख तक एनसिल ने 135 अंतरराष्ट्रीय ग्राहक उपग्रहों और 3 भारतीय उपग्रहों को वाणिज्यिक आधार पर प्रक्षेपित किया है।

(ग) जी हाँ। भारतीय उद्योगों को उच्च प्रौद्योगिकी वाली अंतरिक्ष संबंधी गतिविधियों में सक्षम बनाने के अपने अधिदेश के तहत, एनसिल ने आद्योपांत 5 ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचन यान (पीएसएलवी) के विनिर्माण के लिए मेसर्स एचएएल (एचएएल एवं एल एंड टी सह-संघ के प्रमुख भागीदार) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। पूर्ण रूप से भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित प्रथम पीएसएलवी को वर्ष 2025 की दूसरी छमाही के दौरान प्रक्षेपित किया जाएगा।

(घ) न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनसिल) की सरकारी-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से भी अपने वाणिज्यिक अंतरिक्ष व्यवसाय का विस्तार करने की योजना है। इस दिशा में, एनसिल इसरो के भारी उत्थापन प्रमोचक एलवीएम3 को वैश्विक प्रमोचन सेवा बाजार में इसकी बड़ी वाणिज्यिक क्षमता के कारण, पीपीपी भागीदारी के तहत साकार करने पर विचार कर रही है।

****